कक्षा – 6, विषय – संस्कृत

रुचिरा

धातुरूपाणि

पठ्, गम् (लृट् लकार)

श्रीमती प्रतिभा रोकड़े

परमाणु ऊर्जा केंद्रीय विद्यालय-3, तारापुर
प्रशिक्षित स्नातक शिक्षिका (हिन्दी / संस्कृत)

लकार

लकार: काल को संस्कृत में लकार कहते हैं। जब कोई भी कार्य किसी समय करते हैं या कोई कार्य किसी समय किया जा चुका होता है अथवा कोई कार्य आगे किसी समय करना होता है तो उसे हिंदी में काल और संस्कृत में लकार कहते हैं।

लृट् लकार: सामान्य भविष्य काल के लिए लृट् लकार का प्रयोग किया जाता है। ।

लृट्लकारः (भविष्यत्कालः)

पुरुषः	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
प्रथमपुरुषः	पठिष्यति	पठिष्यतः	पठिष्यन्ति
मध्यमपरुषः	पठिष्यसि	पठिष्यथः	पठिष्यथ
उत्तमपुरुषः	पठिष्यामि	पठिष्यावः	पठिष्यामः

© NCERT not to be republished

लृट्लकारः (भविष्यत्कालः)

पुरुषः	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
प्रथमपुरुषः	गमिष्यति	गमिष्यतः	गमिष्यन्ति
मध्यमपरुषः	गमिष्यसि	गमिष्यथः	गमिष्यथ
उत्तमपुरुषः	गमिष्यामि	गमिष्यावः	गमिष्यामः

धन्यवाद